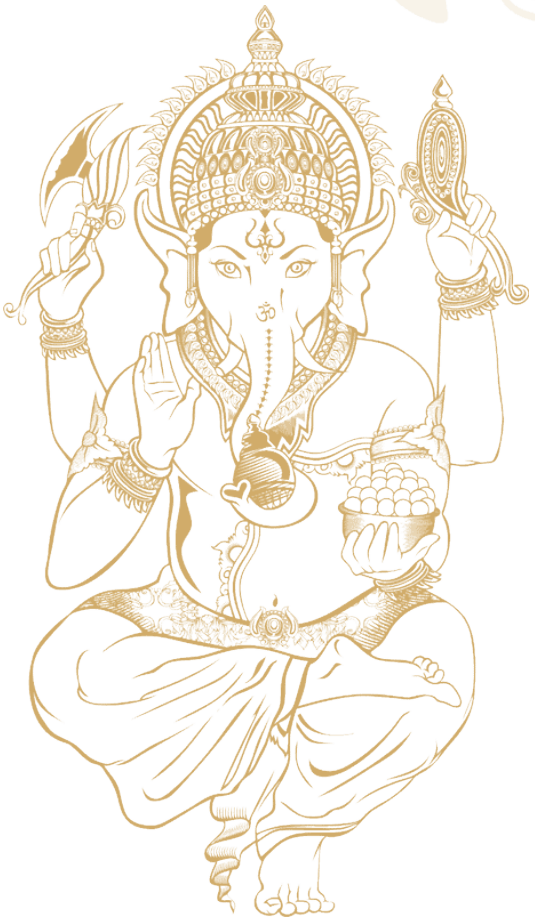

Mr.
Satyanshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120565705

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/04/1999	जन्म तिथि	10/07/2000
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 14:30:00	जन्म समय	21:30:00 घंटे
घटी 21:50:55	जन्म समय(घटी)	39:57:59 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Azamgarh
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	26:03:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	83:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	00:02:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:38	सूर्योदय	05:12:38
18:52:55	सूर्यास्त	18:52:31
23:50:38	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:37

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 3वर्ष 3मा 25दि	15:12:10	सिंह	लग्न	कुंभ	11:42:13	राहु 0वर्ष 3मा 6दि
राहु	11:51:09	मेष	सूर्य	मिथु	24:49:31	शनि
20/08/2025	24:27:12	सिंह	चंद्र	तुला	19:48:03	17/10/2016
21/08/2043	09:38:28	तुला व	मंगल	मिथु	22:10:57	17/10/2035
राहु 03/05/2028	16:26:03	मीन	बुध व	मिथु	18:25:22	शनि 20/10/2019
गुरु 26/09/2030	23:15:09	मीन	गुरु	वृष	08:14:21	बुध 29/06/2022
शनि 02/08/2033	22:12:55	वृष	शुक्र	कर्क	02:51:35	केतु 08/08/2023
बुध 20/02/2036	12:46:13	मेष	शनि	वृष	03:45:47	शुक्र 08/10/2026
केतु 09/03/2037	25:17:19	कर्क व	राहु व	कर्क	00:47:06	सूर्य 20/09/2027
शुक्र 09/03/2040	25:17:19	मक व	केतु व	मक	00:47:06	चन्द्र 20/04/2029
सूर्य 01/02/2041	22:40:51	मक	हर्ष व	मक	26:09:40	मंगल 30/05/2030
चन्द्र 02/08/2042	10:29:37	मक	नेप व	मक	11:46:43	राहु 05/04/2033
मंगल 21/08/2043	16:09:29	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	16:43:26	गुरु 17/10/2035

लग्न-चलित

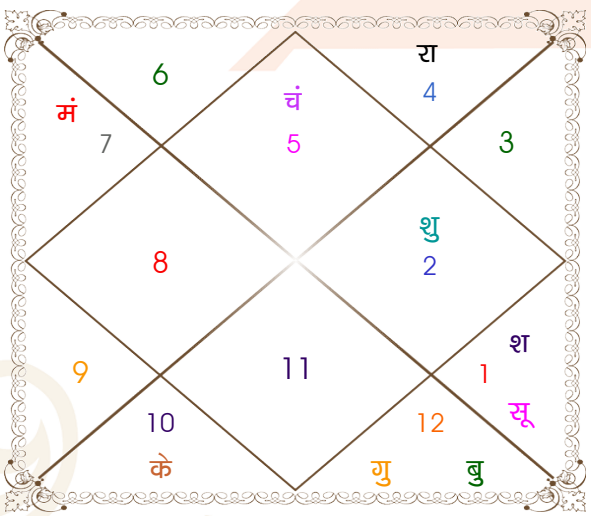

लग्न-चलित

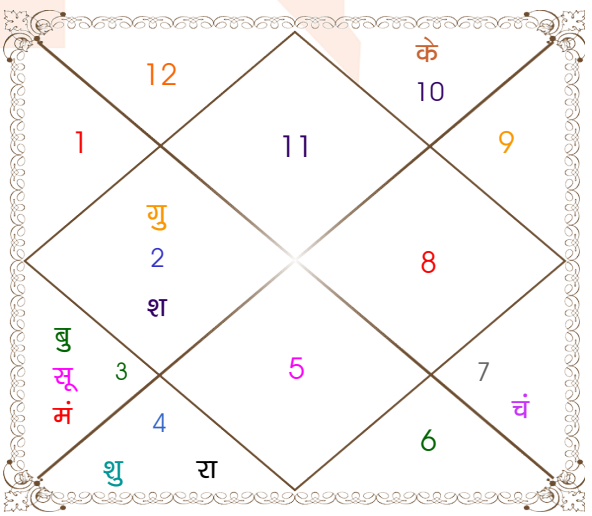

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

Mr. का वर्ग श्वान है तथा ँजलंदीप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और ँजलंदीप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

ँजलंदीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Mr. तथा ँजलंदीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।